इकतारा बोले

डॉ टी महादेव राव
विशाखापटनम (आंध्र प्रदेश)
9394290204

बतंगड़ बात का ..

'भगवान से तुमने क्या मांगा श्रीमती जी? '

'अगले जनम में भी आपको ही पति के रूप में। '

'एक तो तुम मुझसे परेशान रहती हो, दूसरा मुझसे लड़ती झगड़ती रहती हो। रोज का जंजाल चलता है हमारे बीच। फिर भी तुम ... '

'आपके कहना सही है। इतनी मेहनत से तो आपको एक सही पति के रूप में तराशा है। अब प्रशिक्षित पति को छोड़कर नए किसी को फिर से कौन सुधार करे, मेहनत करे। इसलिए अगले जनम में आपको ही पति के रूप में पाना चाहती हूं। वही मांगा है। आपने क्या मांगा है भगवान से? '

'मैं...अब छोड़ो। '

'बताना तो पड़ेगा ही। बताइए न! '

'मैंने अगले जनम में अच्छी पत्नी देने की अर्जी लगाई है। देखें क्या होता है? '

'मतलब मैं अच्छी नहीं हूं। झगड़ालू हूं, तुमसे लड़ती बिगड़ती हूं।'

'भागवान! मैं कब कहता हूं कि तुम अच्छी नहीं हो। तुम तो बहुत अच्छी हो। मगर क्या है न, भगवान की निगाह में भी तो तुम्हारी अच्छाई को प्रशंसा मिले, मान्यता मिले। इसलिए मैंने जानबूझकर अच्छी पत्नी शब्द का इस्तेमाल किया है।'

'न। मैं जानती हूं, तुम झूठ बोल रहे हो। पिछले दिनों सामने वाली सरिता के तारीफ के कसीदे काढ़ रहे थे। अच्छी पत्नी हैं आप, शिरीष जी बड़ी किस्मत वाले हैं जो आपसे ब्याहे गए। मतलब आपकी नजर में वही अच्छी पत्नी है। मैं तो गिनती में भी नहीं। '

'अरे यार! तुम तो बात का बतंगड़ बनाए जा रही हो। मेरा मतलब यह नहीं था। मतलब जो थोड़ी बहुत अच्छाई की कमी तुम में है उसे दूर कर मुझे अच्छी पत्नी के रूप में अगले जन्म में तुम्हीं को देंगे भगवान, ऐसा मेरा कहना था।'

'अगर तुम मेरी कमियां बता दो तो मैं अभी से उनमें सुधार कर लूं, ताकि अगले जन्म में हम और तुम फिर दंपति के रूप में मिल सकें।'

'हमने तो मुझे सरौते में सुपारी की तरह फंसा दिया है। अच्छाई बताओ तो तुम जितना खुश हो जाती हो बुराइयां बताऊंगा तो उससे ज्यादा गुस्सैल होकर झगड़ने लगती हो क्या करूं बोलो? '

'मतलब मुझ में बुराई है और तुम मेरी बुराई नहीं करना चाहते या नहीं बताना चाहते ताकि मैं अगले जन्म में तुम्हारी पत्नी न बन सकूं मुझसे परेशान हो गए हो तुम। '

'अरे नहीं यार। तुम तो बात बनाने लगती हो लेकिन बताओ अचानक अगले जन्म की बात हुई तो हुई कैसे?'

'कल एक स्वामी जी आए थे जिन्होंने कहा कि बार-बार भगवान से अगले जन्म में पति के रूप में इस जन्म के व्यक्ति को ही चाहोगी, मांगोगी तो भगवान अवश्य आपकी बात सुन लेते हैं। उनका कहना है इस मामले में भगवान बड़े प्रसन्न होते हैं और वरदान दे देते हैं। इसीलिए मैंने ऐसा कहा। '

'यह बताने के लिए उस स्वामी जी ने कितने रुपए की दक्षिणा प्राप्त की?'

'सिर्फ दोहज़ार पांच सौ सोलह रुपए दक्षिणा दी है मैंने।'

'जब मैं कहता हूं मुझे दोस्तों के साथ पार्टी करनी है पैसे दे दो तो तुम्हारे पास पैसे नहीं होते। तुम इनकार कर देती हो और इस तरह से स्वामी जी, बाबा जी, संत, योगी के नाम पर जो ठगी करते हैं उनको बड़ी रकम दान दक्षिणा के रूप में देती हो। यह तुम्हारी सबसे बड़ी बुराई है। इसे तुम सुधार भी नहीं सकती। '

'और जो तुम अपने दोस्तों के साथ गुलछर्रे उड़ाते हो और पैसे बर्बाद करते हो। यह तुम्हारी अच्छाई है?'

'मैंने कब कहा अच्छाई है। इसलिए तो कह रहा हूं कि अगले जन्म में इस बुरे व्यक्ति से पीछा छुड़ा लो और कोई जोरू का गुलाम सा जैसा कि तुम्हारी बहन का पति है जबरू लाल वैसा किसी को चुन लो और मुझे बख्श दो।'

'अच्छा मेरा बहनोई जोरू का गुलाम है और जबरू लाल है। वह तो कितना सीधा सदा और सज्जन व्यक्ति है। ऑफिस से घर, घर से ऑफिस, अधिक से अधिक बाजार बस यही उसकी दुनियां है। न वह शराब पीता है और न सिगरेट। दोस्तों के साथ गुलछर्रे भी नहीं उड़ाता। घर में बीवी की सहायता करता है। एक आदर्श पति की जो रूपरेखा होती है उस पर वह शत प्रतिशत खरा उतरता है।'

'तो मुझे अगले जन्म में किसी और राक्षसी से ब्याह रचाने दो। तुम बस मुझे अगले जन्म में भी परेशान करने का व्रत छोड़ दो। किसी जोरू लाल जैसा टपोरी को पति के रूप में पाने की आशा करो। '

'मतलब क्या है तुम्हारा किसी और राक्षसी से? मतलब मैं राक्षसी हूं? '

'दीदी! जीजा जी! क्यों लड़ रहे हों?' कहते हुए साले साहब ने घर में कदम रखा। दीदी से राम कहानी सुनकर बोला 'न सूत न कपास जुलाहों में लट्ठम लठ्ठा। अगले जन्म किसने देखा है? अगले जन्म में तुम दोनों मनुष्य योनि में ही जन्म लोगे क्या गारंटी है? खास बात यह बताने आया हूं कि कल जो स्वामी आया था उसे चोरी के इल्ज़ाम में पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।'

मुस्लिम समाज ने ईद उल अजहा का पर्व बड़े ही हर्षोल्लास से मनाया

ईदगाह सहित मस्जिदों में अदा हुई ईद की विशेष नमाज, दी एक दुसरे को मुबारकबाद

बाग। मुस्लिम समाज ने ईद उल अजहा का पर्व बड़े ही उत्साह और हर्षोल्लास के साथ मनाया । साथ ही एक दुसरे के गले लगकर ईद की मुबारकबाद दी । ईद उल अजहा के पर्व के चलते मुस्लिम वार्डों में कल सुबह से चहल पहल शुरु हो गई थी सभी अपने कुर्बानी के बंकरों को नहला कर उन्हें फूलहारों से सजा रहे थे । सुबह 7/30 बजे के लगभग नगर से दूर बाघनी नदी के पार ईदगाह में ईद की विशेष नमाज जामा मस्जिद के मौलाना हाजी हैदर बैग सहाब ने अदा कराई । नमाज से पहले अपनी तकरीर में बैग सहाब द्वारा कुरबानी का तरीका ओर उसके महत्व के बारे में बताया । इस विशेष नमाज में

मुस्लिम समाज के युवा एवं बुजुर्ग बड़ी संख्या में शामिल हुए नमाज के पश्चात मुल्क में अमनों अमन की दुआएं की गई। दुआ के बाद सभी समाजजनों ने एक दुसरे के गले लगकर ईद की मुबारकबाद दी । उसके बाद सभी नगर के क़ब्रिस्तानों में गये ओर फातिहा पड़कर अपने मरहुमो कै हक में दुआएं की । इस तरह बड़े हर्षोल्लास के साथ इस पर्व को मनाया गया दिनभर चलता रहा कुरबानी का सिलसिला। ओर सभी अपने त्योहार में हुए मशगुल।ईदगाह सहित नगर की दो अलग अलग मस्जिदों में भी अदा हुई ईद की विशेष नमाज, बच्चों मैं भी देखा गया बड़ा उत्साह जो ईदगाह में लगी दुकानों से तरह तरह की चिजे खाकर अपनी खुशी का इजहार कर रहे थे ।

प्रशासनिक अमले का आभार माना - इस दौरान ईद की विशेष नमाज को लेकर प्रशासनिक अमला भी सक्रिय होकर ईदगाह सहित मस्जिदों में पुरी मुस्तैदी से खड़ा था । जो तमाम व्यवस्थाओं पर अपनी पैनी नजर जमाए हुए था । नगर कांग्रेस अध्यक्ष सलाम खान पठान एवं मुस्लिम समाज शहर सदर अमीन लखानी मेव जनपद सदस्य प्रतिनिधि वकार खान गोल्डी, अल्पसंख्यक के रतलाम जिला प्रभारी जाफर खान मेंव ने देश वासियों को ईद उल अजहा की मुबारकबाद देते हुए कहा की यह त्योहार कुर्बानी देने वाला हे ओर वह कुरबानी किसी भी रुप में दि जा सकती है । आप किसी की मदद कर रहे हो यह भी कुर्बानी ही है हमारे वतन में शांति सोहार्द ओर अमन चेन बना रहे ओर हमारा भाई चारा हमेशा हमेशा बना रहे बस यही दुआ करते हैं । साथ ही पुलिस महकमा एवं राजस्व विभाग का हम हृदय से आभार मानते हैं जो अपनी डिवटी के लिए समर्पित रहे ओर बड़े ही शांति के साथ नमाज अदा की गई।

बाग पुलिस ने डेढ़ माह पूर्व हुई लूट का किया पर्दाफाश

दो आरोपी गिरफ्तार, एक फरार, तलाश जारी... लूटे गए नकदी रुपए, घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल एवं फालिया जब्त

बाग। 04.04.2026 को फरियादी विपीन पिता विश्वनाथ चौहान उम्र 30 वर्ष निवासी नर्मदा कॉलोनी जोबट, इंदौर से मोटरसाइकिल द्वारा जोबट जा रहा था। रात्रि करीब 9:55 बजे ग्राम झाबा के पास पीछे से मोटरसाइकिल पर सवार तीन अज्ञात बदमाश आए एवं फरियादी पर सरिया फेंककर हमला किया, जिससे उसकी मोटरसाइकिल असंतुलित होकर गिर गई। इसके बाद बदमाशों द्वारा फरियादी के साथ सरिया, डंडा एवं फालिया से मारपीट कर उसके पास रखा ट्रॉली बैग, जिसमें नगदी 8 हजार रुपये, आवश्यक दस्तावेज एवं अन्य सामान था, लूटकर फरार हो गए। फरियादी की रिपोर्ट पर थाना बाग में अपराध क्रमांक 114/2026 धारा 309(6) बीएनएस के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

पुलिस कार्यवाही- पुलिस अधीक्षक धार श्री सचिन शर्मा द्वारा प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी हेतु निर्देशित किया गया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री विजय डावर

एवं एसडीओपी श्री सुनील गुप्ता के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी बाग निरीक्षक कैलाश चौहान के नेतृत्व में टीम गठित की गई। तलाश के दौरान दिनांक 26.05.2026 को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि घटना में शामिल दो आरोपी बाण्दा फाटे पर खड़े हैं। सूचना पर पुलिस टीम द्वारा तत्काल कार्रवाई करते हुए घेराबंदी कर संदेही सरदार उर्फ लालु उर्फ कालु पिता रेजन निंगवाल एवं जगदीश उर्फ भली पिता आलम बघेल को पकड़ा गया। पूछताछ में दोनों आरोपियों ने अपने एक अन्य साथी के साथ मिलकर उक्त लूट की घटना करना स्वीकार किया। आरोपियों को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय से पुलिस रिमांड प्राप्त किया गया। आरोपियों के कब्जे से नगदी रुपये, घटना में प्रयुक्त फालिया एवं मोटरसाइकिल जप्त की गई। गिरफ्तार आरोपियों को दिनांक 28.05.2026 को माननीय न्यायालय पेश किया जाएगा। एक आरोपी फरार है जिसकी तलाश जारी है।

गिरफ्तार आरोपी- सरदार उर्फ लालु उर्फ कालु पिता रेजन निंगवाल, निवासी ग्राम पीपरियापानी, जगदीश उर्फ भली पिता आलम बघेल, निवासी ग्राम पीपरियापानी

आपराधिक रिकॉर्ड- आरोपियों के विरुद्ध लूट संबंधी अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना की जा रही है।

सराहनीय कार्य- उक्त कार्यवाही में निरीक्षक कैलाश चौहान, उनि तोसिफ अली, सउनि लोकेश रायपुरिया, सउनि दशरथसिंह चौहान, सउनि कमलेश राठौड़िया, प्र.आर. भावसिंह रावत, रेलमसिंह भिंडे, सखाराम गोखले, गजेन्द्र कनेश, कैलाश गेहलोत, आरक्षक राजू चौहान, दुर्गेश, सीताराम डोडवे, कलमसिंह डुडवे, लालसिंह चौहान, मुकेश, सुरेश, अजय एवं सायबर सेल धार से उनि प्रशांत गुजाल व आरक्षक प्रशांत चौहान का विशेष योगदान रहा।

आदिवासी कांग्रेस द्वारा अमित शाह के बयान के विरोध में पुतला दहन

मनावर से बसन्त ज़ख्मी। आदिवासी कांग्रेस द्वारा आज मनावर में देश के गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करते हुए उनका पुतला दहन किया गया। प्रदर्शन का कारण दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान अमित शाह द्वारा आदिवासी समाज को 'वनवासी' कहकर संबोधित करना बताया गया।

आदिवासी कांग्रेस नेताओं ने कहा कि आदिवासी समाज स्वयं को 'आदिवासी' पहचान के साथ जोड़ता है तथा 'वनवासी' शब्द का प्रयोग समाज की अस्मिता और पहचान को आहत करता है। संगठन ने इसे आदिवासी समाज के सम्मान के विरुद्ध बताते हुए नाराजगी व्यक्त की। यह विरोध कार्यक्रम आदिवासी कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. विक्रांत भूरिया, मध्यप्रदेश प्रदेश अध्यक्ष रामु टेकाम एवं प्रदेश प्रभारी श्रीमती अर्चना पोर्टे के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। जिला अध्यक्ष आदिवासी कांग्रेस धार सुनील स्टार चौहान के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन करते हुए अमित शाह का पुतला दहन किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने आदिवासी समाज के सम्मान एवं पहचान को बनाए रखने की मांग उठाई। कार्यक्रम में जिला संगठन मंत्री जगदीश कनेल, जिला उपाध्यक्ष गजानंद सोलंकी, पवन पटेल, प्रदेश उपाध्यक्ष कैलाश भाटिया, करसन वास्केल, पर्वत अछाले, राजेंद्र बुंदेला, लखन वास्केल, अंकेश अजनार, सोहन मुजाल्दा, शेखर वसुनिया, लोकेश अजनार, महादेव अमलावर, रविंद्र अमलावर, सुनील अमलावर, विनोद चौहान, दिनेश बुंदेला, कालूसिंग सोलंकी, उमंग सोलंकी सहित बड़ी संख्या में आदिवासी कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बकरीद पर मस्जिद में मुख्य नमाज अदा : अमन-चैन और भाईचारे की मांगी दुआ

लोगों ने एक-दूसरे को गले लगकर दी मुबारकबाद

निसरपुर (विशाल गुप्ता)। निसरपुर-नगर में गुरुवार को मुस्लिम समाज ने भाईचारे के साथ ईद-उल-अजहा (बकरीद) मनाई। मुख्य नमाज सुबह 9 बजे कुक्षी बड़वानी रोड स्थित मस्जिद पर अदा की गई। नमाज शहरकाजी ने अदा कराई, जिसके बाद देश में अमन-चैन, भाईचारा और शांति के लिए खास दुआ मांगी गई।

नमाज के दौरान मस्जिद और आसपास के क्षेत्रों में पुलिस और प्रशासन की कड़ी सुरक्षा व्यवस्था रही। संवेदनशील इलाकों, प्रमुख चौराहों और बाजारों में भारी पुलिस बल तैनात किया गया था।

गले लगाकर दी मुबारकबाद- ईद के मौके पर हजारों की संख्या में लोग अलग अलग मस्जिदों और ईदगाहों में नमाज अदा करने पहुंचे। नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर ईद की मुबारकबाद दी और देश में अमन, शांति और भाईचारे की दुआ की। नगर की जामा मस्जिद में नमाज अदा की गई, जहां बड़ी संख्या में मुस्लिम समाजजन मौजूद रहे। सुरक्षा की दृष्टि से निसरपुर चौकी प्रभारी रवि वास्के एएसआई भुवानसिंह चौहान एएसआई थानसिंह जमरा एएसआई शंकरसिंह तोमर सहित पुलिस बल तैनात रहा।

माहेश्वरी महिला मण्डल द्वारा आयोजित मां नर्मदा पुराण कथा का पांचवां दिन

अनेकों जन्मों के पुण्य अर्जित होते हैं तो, पुरुषोत्तम मास में मिलता है धन के सदुपयोग का शौभाग्य

बाग। मां नर्मदा पुराण कथा में कथावाचक सूश्री सोनमजी मिश्रा ने भक्तों से भरें माहेश्वरी भवन के खचाखच भरे हाल में अपने मुखारविंद से कथा के प्रवाहमान में आज बताया कि मां नर्मदा पुराण में ही मां नर्मदा की परिक्रमा में आने वाले घाट-घाट की सम्पूर्ण यात्राओं का वर्णन है।

आज पांचवें दिन की मानसिक परिक्रमा में औंकार क्षेत्र से लेकर मरकटी तीर्थ खलघाट तक की परिक्रमा यात्रा में उन्होंने विभिन्न प्राचीन व वेदों पुराणों अनुसार प्रसिद्ध घाटों का महात्म्य बताते हुए औंकार क्षेत्र में सर्वाधिक घाट व मन्दिरों के सौन्दर्यीकरण का काम दानी शिरोमणि माता अहिल्याबाई ने देश-भर में धार्मिक स्थलों के जीर्णोद्धार के साथ औंकार क्षेत्र व मांधाता क्षेत्र में घाटों व मंदिरों के पुरातनकाल के स्वरूप में लाकर जो कार्य करवायें गये वह आज भी अपनी गाथा गा रहे हैं एवं अविस्मरणीय हैं। इसी औंकार क्षेत्र में ऐरन्डी का महत्व बताया, यहां ऐरन्डी नदी नर्मदा में मिलने से यहां प्रसिद्ध घाट बना है,इस घाट पर प्राचीन काल में भद्र व रुद्र ने यहां तपस्या की,जो सिद्ध होने पर यह क्षेत्र ऐरन्डी तीर्थ कहलाया।इसके आगे कावेरी नदी का भी संगम नर्मदा में हुआ। कथावाचक सूश्री सोनमजी मिश्रा ने विंध्याचल पर्वत तथा औंकार पर्वत तीर्थ का महात्म्य बताया। विंध्याचल पर्वत के कारण ही यहां शिव प्रतिष्ठित हुए।कांकरिया घाट के बीच गंगेश्वरी तीर्थ,वेदा नामक नदी के नर्मदा में मिलने वाला स्थान मरकेटेश्वर तीर्थ घाट है।विशोका नदी का नर्मदा में संगम है जो सारस्वत तीर्थ कहलाता है। स्वर्णदीप तीर्थ नावड़ीतोडा घाट में मिलने से हीरण्यगर्भा नदी का दर्शन होता है। इसी परिक्रमा मार्ग में नर्मदा की दो धार होती हैं जहां परशुराम ने ब्रह्म हत्या पाप से छुटकारा पाने के लिए तपस्या की वह बंलगांव तीर्थ कहलाता है।इस यात्रा में खलघाट तीर्थ का भी महत्व है, यहां बखण्ड नाम की नदी मिलती है। कथावाचक सूश्री मिश्रा ने बताया कि वैसे तो सम्पूर्ण मां नर्मदा किनारे अनेकानेक तीर्थ बसे हैं,इन सबका पौराणिक महत्व है। उनका कहना है कि मां नर्मदा भोलेनाथ के तप से निकली है, भगवान भी भोले लोगों को ही मिलते हैं, ज्ञानियों को भगवान दुर्लभ ही मिलते हैं। कथा प्रारम्भ के पूर्व माहेश्वरी महिला मण्डल की अध्यक्ष श्रीमती वंदना दिनेश झंवर, श्रीमती कांता दिलीप बूब, जयश्री दिलीप जाजू,पुनम बल्देवा, आदि तथा वधु मंडल की बहुओं ने कथावाचक एवं उनकी टीम का स्वागत सम्मान किया, वहीं समाज की वरिष्ठ महिलाओं ने पुराण की आरती में भाग लिया। आज की प्रसादी के लाभार्थी बजरंग-राठी नमकीन के संचालक प्रहलाद राठी जयप्रकाश राठी, दिलीप राठी, संतोष राठी परिवार रहा। कार्यक्रम का संचालन अभिलाषा पवन तापड़िया ने किया।

स्वदेशी जागरण मंच का एक दिवसीय विचार वर्ग संपन्न

बदनावर (इंदौर समाचार)।शासकीय महाविद्यालय में स्वदेशी जागरण मंच , स्वावलंबी भारत अभियान के अंतर्गत एकदिवसीय विभाग विचार वर्ग का आयोजन किया गया। जिसमें कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में प्रांत पूर्णकालिक श्री हेमंत रावत, प्रांत सह संयोजक दिलीप सिंह चौहान, विभाग कारवाह अरविंद चौधरी, विभाग संयोजक श्रवण गौर संयुक्त रूप से मां भारती दीनदयाल जी उपाध्याय एवं दत्तोपंत जी ठेंगड़ी के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर शुरुआत की।

प्रथम सत्र स्वदेशी की विकास यात्रा एवं आयाम वक्ता के रूप में दिलीप सिंह चौहान के द्वारा लिया गया, द्वितीय सत्र दत्तोपंत ठेंगड़ी का जीवन एवं विचार विभाग कारवा अरविंद चौधरी ने लिया एवं सत्र की अध्यक्षता अनोखीलाल गुर्जर ने की। तृतीय सत्र जिला उद्योग एवं व्यापार केंद्र की भूमिका बलराम बैरागी ने लिया एवं अध्यक्षता हुकुम सोलंकी ने की। चतुर्थ सत्र शहिद बाबू गेनू का बलिदान एवं स्वदेशी चेतना श्री कन्हैया लाल गुर्जर ने लिया एवं अध्यक्षता नेहा भूपेंद्र शर्मा ने की। पंचम सत्र स्वदेशी मेला उद्देश्य आयोजन एवं समाज सहभागिता श्रवण गौर ने लिया एवं अध्यक्षता कालू सिंह राठौड़ ने की। षष्टम सत्र स्वालंबी भारत अभियान,स्वालंबन केंद्र एवं ऊर्जा में आत्मनिर्भरता हेमंत रावत ने लिया एवं सत्र की अध्यक्षता बगदीराम धाकड़ ने की। सप्तम सत्र कार्यकर्ता व्यवहार एवं संगठनात्मक आचरण प्रांत प्रौढ़ कार्य प्रमुख डॉ रामगोपाल वर्मा ने लिया एवं कार्य सत्र की अध्यक्षता शेखर यादव एवं विवेक पाटीदार ने की। व्यवस्था टोली में तहसील संयोजक जितेंद्र शर्मा, आकाश मुकाती, बालाराम चौहान, विनोद चौधरी दीपक गुर्जर, अरविंद कछावा, मंजु लिटोरिया ,मोहित पाटीदार रहे। विचार वर्ग में 100 कार्यकर्ता सम्मिलित हुए। कार्यक्रम का संचालन आकाश मुकाती ने किया।